इसरो प्रमुख के.सिवन ने वीडियो मैसेज में कहा- हमारी उम्मीदें पूरी होंगी

एमएनआइटी में देश का पहला रीजनल एकेडमिक सेंटर शुरू

पी.वी.वेंकटकृष्णन और प्रो.उदयकुमार यारागट्टी ने एमओयू पर किए साइन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआइटी) में देश के पहले इसरो रीजनल एकेडमिक सेंटर की शुरुआत मंगलवार को हुई। सेंटर के जरिए स्पेस टेक्नोलॉजी में इंटरेस्टेड स्टूडेंट्स यूजी, पीजी, पीएचडी लेवल पर रिसर्च कर सकेंगे, जिन्हें ट्रेनिंग और ग्रांट भी मिलेगी। इस मौके पर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के डायरेक्टर पी.वी.वेंकटकृष्णन ने शिरकत की। उन्होंने एमएनआइटी के साथ 10 साल का एमओयू साइन किया। वेंकटकृष्णन ने स्टूडेंट्स से रिसर्च के जरिए सोसाइटी को सर्व करने की बात कही। इसरो प्रमुख के.सिवन ने वीडियो एड्रेस में कहा कि एमएनआइटी में देश का पहला रीजनल सेंटर शुरू करते हुए खुशी है। सेंटर न सिर्फ इसरो को रिसर्च में मजबूत करेगा, बल्कि स्पेस टेक्नोलॉजी की अवेयरनेस बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इसरो ने छह सेंटर प्लान किए हैं। इनमें नॉर्थ, साउथ, वेस्ट, नॉर्थ ईस्ट, सेंट्रल और ईस्ट के सेंटर शामिल है। एमएनआइटी सबसे पहले शुरू होने वाला सेंटर है। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र, गुवाहाटी, वाराणसी और कन्याकुमारी में भी सेंटर खोले जाएंगे। सेंटर से काफी उम्मीदें हैं और मेरा विश्वास है कि रिसर्च एंड डवलपमेंट में भागीदारी से यह पूर्ण होंगी। इसरो ने स्पेस रिलेटेड इंडीजीनस टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स और स्कूल चिल्ड्रन के लिए यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम पर फोकस किया है। ये आउटरीच प्रोग्राम भविष्य में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

शुरू होगा इसरो का रीजनल एकेडमिक सेंटर

अब एमएनआइटी में परवान चढ़ेंगी अंतरिक्ष की संभावनाएं

5 फरवरी को इसरो चेयरमैन के.सिवन वर्चुअली करेंगे इनॉग्रेशन

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफिस के डायरेक्टर पी.वी.वेंकटकृष्णन रहेंगे मौजूद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ दुनिया के सबसे छोटे सैटेलाइट लॉन्च कर दुनिया को चकित कर चुके इसरो ने स्पेस में भारत के भविष्य के द्वार खोल दिए हैं। सेटेलाइट बनाने वाले नौनिहालों की चहुंओर प्रशंसा हो रही है और इसरो का कहना है कि उसके द्वार हमेशा बच्चों के लिए खुले हैं। स्पेस में भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए इसरो ने स्पेस रिसर्च में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स, फैकल्टीज और रिसर्चर के लिए खुशखबर दी है।

मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआइटी) में इसरो के रीजनल एकेडमिक सेंटर फॉर स्पेस की शुरुआत की जाएगी। पांच फरवरी को इसका इनॉग्रेशन इसरो चेयरमैन के.सिवन वर्चुअली करेंगे। जबकि कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफिस के डायरेक्टर पी.वी.वेंकटकृष्णन मौजूद रहेंगे। एमएनआइटी प्रशासन के अनुसार, इसरो के वेस्ट रीजन के लिए इंस्टीट्यूट का चयन किया जाना गौरव का विषय है। इसके तहत राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के इंस्टीट्यूट्स को शामिल किया जाएगा।

रिसर्च को करेगा प्रमोट

यह सेंटर आसपास के इंस्टीट्यूट्स में स्पेस टेक्नोलॉजी और रिसर्च को प्रमोट करेगा। इसके लिए रीजनल कॉर्डिनेटर को नियुक्त किया जाएगा। सेंटर के जरिए यूजी, पीजी, पीएचडी के रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए ट्रेनिंग और ग्रांट दी जाएगी। इसके साथ ही स्पेस टेक्नोलॉजी की कॉन्फ्रेंस, सेमिनार और वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। इससे स्पेस रिसर्च में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स को प्लेटफॉर्म मिलेगा।

मंगलवार को इसरो और एमएनआइटी के बीच 10 साल के लिए एमओयू साइन किया जाएगा। फिलहाल इसे इंक्यूबेशन सेंटर में शुरू किया जाएगा, जबकि डेडिकेटेड बिल्डिंग भी प्लान की गई है।

एमएनआइटी से बाहर के स्टूडेंट्स को भी मौका

एमएनआइटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो.रोहित गोयल ने बताया कि इसरो के 'की रिसर्च एरियाज' मसलन, सेंसर, लॉन्च व्हीकल, सोलर पैनल, रिमोट सेंसिंग और अन्य नीड बेस्ड प्रोजेक्ट्स दिए जा सकते हैं। हालांकि पहले भी एमएनआइटी में इसरो के रिसर्च प्रोजेक्ट्स होते आए हैं, लेकिन इस सेंटर से विभिन्न इंस्टीट्यूशंस और स्टूडेंट्स में रिसर्च का दायरा बढ़ेगा। एमएनआइटी से बाहर भी स्टूडेंट्स इसमें अपना रिसर्च प्रोजेक्ट सब्मिट कर सकेंगे। जिसका इवेल्यूएशन किया जाएगा, साथ ही फीडबैक मिलेगा। सलेक्टेड रिसर्चर को ट्रेनिंग व फंडिंग प्रोवाइड कराई जाएगी।

'पिछले छह महीने से कवायद चल रही थी। इसरो के साइंटिस्ट्स ने दो बार इंस्टीट्यूट का दौरा किया और यहां रिसर्च की क्वालिटी को परखा। इस आधार पर उन्होंने वेस्ट रीजन के बेहतरीन इंस्टीट्यूट के तौर पर एमएनआइटी को रिकग्नाइज किया। सेंटर के शुरू होने से स्टूडेंट्स को इसरो में एक्सपोजर मिलेगा।'

उदयकुमार यारागट्टी,
डायरेक्टर, एमएनआइटी